महिला

PATIENT TRANSPORT
AMBULANCE
RJ08PA2285

PATIENT TRANSPORT
AMBULANCE
विधायक स्थानीय क्षेत्र
सौजन्य से: माननीय
(स्थानीय विधायक,

शाम 4:45 बजे : सीपीआर के दौरान भीड़, तुरंत गलती सुधारी

शाम 4:45 बजे गंभीर बेहोश मजदूरों को सीपीआर दिया, लेकिन सीपीआर देते समय सिविल डिफेंस व अन्य राहतकर्मियों ने भीड़ कर दी। ऐसे हालात में घायल को ज्यादा नुकसान हो सकता है। एक अधिकारी के निर्देश पर तुरंत इस गलती को सुधारा गया और फिर सही तरीके से सीपीआर दी गई। कैंटीन में आगजनी के बीच फंसे लोगों को दोमंजिला भवन से नीचे उतारना चैलेंज था। ऐसे में बचावकर्मियों ने रस्सी के जरिए ऊपर फंसे लोगों को नीचे उतारा।

देर रात 11 बजे : बूंदी में ब्लैक आउट

बूंदी शहर में नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से देर रात 11 बजे ब्लैकआउट की घोषणा की गई। 2 मिनट तक तीन बार प्रशासन की ओर से सायरन बजाया गया। 11 बजते ही लोगों ने घरों की लाइटें बंद कर अंधेरा कर दिया। रोड लाइटें भी बंद रही।

फैक्ट्री में मॉक ड्रिल: 32 जनों को पहुंचाया अस्पताल

सायरन बजते ही दौड़े अधिकारी, बचाव कार्य में नहीं दिखी तेजी

बूंदी. मॉकड्रिल के दौरान बिल्डिंग से घायल को रस्सी के सहारे उतारते हुए। पत्रिका

बूंदी. मॉकड्रिल के दौरान घायल को लेकर जाते हुए। पत्रिका

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बूंदी. जिले में अगर हवाई हमला या किसी प्रकार का कोई हादसा घटित हो जाए तो अधिकारी के साथ आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मचारी कितने अलर्ट मोड पर है बुधवार को उनकी चुस्ती व फुर्ती को परखा गया। शहर से तीन किलोमीटर दूर सिलोर रोड पर अड़ानी फैक्ट्री में दुर्घटना पर बड़े हादसे की सूचना पर अधिकारी दौड़ लगाते हुए नजर आए। टीम राहत-बचाव कार्य में जुट गई। हादसे में घायल 32 लोगों को स्ट्रेक्चर की मदद से एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। बाद में मॉक ड्रिल की सूचना पर राहत की सांस ली। हालांकि राहत बचाव कार्य में जुटी टीम के बीच तत्परता देखने को भी नहीं मिली। लगभग पौन घंटे तक राहत-बचाव कार्य चला। अंत में भारत माता की जयकारे के साथ समापन हुआ।

गृह मंत्रालय की एडवाइजरी के बाद नागरिकों की सुरक्षा को लेकर त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से शाम 4 बजे हाइवे पर सिलोर रोड स्थित अड़ानी फैक्ट्री में हवाई हमले व दुर्घटना की सूचना की मॉक ड्रिल कराई गई। फैक्ट्री में स्थित केंटिन में आगजनी की खबर के बाद समूचे प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर जिला कलक्टर अक्षय गोदारा व एसपी राजेंद्र कुमार मीणा तत्काल मौके पर पहुंचे। उसके बाद सबसे पहले राहत बचाव के लिए पुलिस का 112 वाहन और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। धीरे-धीरे जैसे-जैसे सूचना मिलती गई अधिकारी के साथ राहत बचाव कार्य की टीम पहुंचती रही। इसमें पुलिस के साथ सिविल डिफेंस, चिकित्सा, नगरपरिषद से फायर बिग्रेड और अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। फैक्ट्री में आग के बाद सिलेंडर फटने से घायल हुए फैक्ट्री कर्मचारियों को सिविल डिफेंस और चिकित्सा दल ने फस्ट एड देकर अस्पताल पहुंचाया। वहीं फायर ब्रिगेड से आग पर काबू पाया गया। मॉक ड्रिल के दौरान तमाम प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। कलक्टर अक्षय गोदारा का कहना है कि केंद्रीय गृह मत्रांलय के निर्देश पर मॉक ड्रिल कराई गई हैं। सूचना से करीब 20 मिनट के अंदर सभी अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। हालांकि आगामी दिनों में बिना सूचना के मॉक ड्रिल कराई जाएगी, जिसमें सभी की तत्परता को परखा जाएगा।

बूंदी. मॉकड्रिल के दौरान माईक से मुनादी करता सीविल डिफेंस का जवान।

बूंदी. मॉकड्रिल के दौरान घायलों को लेकर जाते स्काउट। पत्रिका

स्ट्रेचर की कमी भी देखने को मिली

कलक्टर अक्षय गोदारा ने मौके पर ड्रिल के दौरान लोगों को आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इसमें सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। हालांकि स्ट्रेक्चर की कमी भी देखने को मिली। घायलों को एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। यह मॉक ड्रिल भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद आयोजित की गई।

सुस्त दिखा सिविल डिफेंस, प्रशिक्षण की जरूरत

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस की टीम सुस्त नजर आई। घायलों को निकालने के साथ बचाव कार्य में टीम के बीच तत्परता देखने को नहीं मिली। हंसी-मजाक के बीच घायलों को सिविल डिफेंस की टीम प्राथमिक उपचार के लिए लाती रही। यह चर्चा वहां मौजूद अधिकारियों के बीच भी रही। आखिर घटना होने पर सिविल डिफेंस कैसे मुस्तेद रहे। इसको लेकर उनको प्रशिक्षण की जरूरत हैं। हालांकि कई विभागों के अधिकारी भी देरी से आए, जिनसे कलक्टर चर्चा करते हुए नजर आए। जबकि राहत-बचाव कार्य के दौरान पुलिस अमला निर्देश देते रहे।